हरिभूमि

रोहतक भूमि

रोहतक, मंगलवार, 14 जनवरी 2025

तापमान
अधिकतम 21.8 डिग्री
न्यूनतम 6.5 डिग्री

11 युवाओं ने डीजे और ढोल के साथ की खूब मस्ती ...

12 सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ी से बैटरी चोरी ...

बेमौसम बारिश से हुए नुकसान से मिले राहत, सभी किसानों को क्षतिपूर्ति में शामिल करें: दीपेंद्र हुड्डा

सांसद ने विकास कार्यों में ढिलाई पर जताई गहरी नाराजगी, समयबद्ध ढंग से काम पूरा करने की हिदायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- जिले से संबंधित अनेक जनसमस्याओं को प्रशासन के सामने रखा और अगली दिशा मीटिंग तक जवाब मांगा
- सांसद की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक में विभागवार हुई योजनाओं की समीक्षा

जिला विकास भवन में सांसद दीपेन्द्र हुड्डा की अध्यक्षता में सोमवार को 'जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति' दिशा की बैठक में विभागवार योजनाओं की समीक्षा की गई। मीटिंग में रोहतक के विधायक बत्तरा, कलानौर की विधायक शकुंतला खटक, महम के विधायक बलराम दांगी, जिप के वाइस चेयरमैन हुड्डा सहित डीसी धीरेंद्र खड़गटा एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने जिले के विकास के संबंध में अलग-अलग विषयों पर विस्तार से चर्चा की और विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिये जरुरी दिशा-निर्देश दिये। दीपेंद्र ने कहा, सरकार किसान विरोधी रवैया छोड़े और बारिश से किसानों को जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई के लिए उन्हें भी मुआवजा क्षतिपूर्ति में शामिल किया जाए। बेमौसम बारिश से पूरे जिले में फसल का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है, लेकिन ओलावृष्टि से केवल 6 गांव के लिए आदेश आए हैं।

रोहतक। जिला विकास भवन स्थित सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वयक एवं निगरानी समिति की बैठक लेते सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा। फोटोः हरिभूमि

रोहतक। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा किसानों की समस्याएं सनते हुए।

सांसद ने पक्षपात पर जताई नाराजगीः सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि विकास कार्यों में रोहतक लोकसभा क्षेत्र के साथ भारी पक्षपात किया जा रहा है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय मंजूरशुदा परियोजनाओं के संबंध में बरती जा रही ढिलाई को लेकर गहरी नाराजगी जताते हुए सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने की हिदायत दी। उन्होंने बताया कि कई जगह प्रशासनिक कमी रही तो कई प्रोजेक्ट में राजनीतिक स्तर पर कमी रही। जिसके चलते पूर्ववर्ती कांग्रेस के समय के मंजूरशुदा प्रोजेक्ट पर काम ही नहीं हुआ। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि महम के साई सेंटर की बिल्डिंग का काम पूरा हो चुका है लेकिन पिछले 7-8 साल से बिल्डिंग खंडहर हो रही है, आज तक साई सेंटर पर कोई कार्यवाही नहीं हुई।

अगली मीटिंग तक जवाब दें अधिकारी

सांसद ने कहा कि इसी तरह गांव सांघी में किसान मॉडल स्कूल की भव्य बिल्डिंग बनवाई गई, लेकिन सरकार ने इस योजना को ही बंद कर दिया। इसके अलावा रोहतक आउटर बाईपास (रिंग रोड) का जींद-गोहाना सेक्शन आज तक पूरा नहीं हुआ। हुडा सिटी सेंटर में कम्यूनिटी पार्क भी बदहाली का शिकार हो रहा है। सड़कों की खराब गुणवत्ता, पीने के पानी की समस्या, बदबूदार पानी सप्लाई समेत अनेक जनसमस्याओं को प्रशासन के सामने रखा और अगली दिशा मीटिंग तक जवाब मांगा।

सार्वजनिक शौचालयों का रखरखाव करें

सांसद ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के तहत बनवाए गए सार्वजनिक शौचालयों का सही तरीके से रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। सभी खंडों के गरीबों को एक समान लाभ प्रदान हो। उन्होंने एमपी लैड्स के कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शहर में शुद्ध व पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए भविष्य की आवश्यकता के अनुसार तैयार किए गए प्रस्ताव को अमलीजामा पहनाया जाए।

सफाई व्यवस्था दुरुस्त करें

दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि शहर में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए तथा शहरी क्षेत्र में बनाए गए सार्वजनिक शौचालयों की देखरेख भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अमरूत एक योजना के तहत शहर में करवाए गए पेयजल व सीवरेज के कार्यों के विस्तृत समीक्षा की तथा निर्धारित अवधि में इन विकास कार्यों का लाभ जनता तक पहुंचाने के निर्देश दिए। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने बेटी बचाओ-बेटी पढाओ अभियान की समीक्षा करते हुए जिला में गिरते लिंगानुपात पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लिंगानुपात को सुधारने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाए।

योजनाओं का पहुंचाया जा रहा है लाभ

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा बिना किसी भेदभाव के पात्र लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रोहतक शहर की भविष्य की पेयजल आवश्यकता को मद्देनजर रखते हुए तिलियार झील पर 30 एकड़ में 32 दिन की स्टोरेज क्षमता का स्टोरेज टैंक बनाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है।

खबर संक्षेप

सांपला: गोशाला में भंडारा आज

सांपला। दहकोरा मार्ग पर स्थित बाबा हरिदास पीड़ित गो सेवा समिति द्वारा मंगलवार को वार्षिक महोत्सव एवं विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। समिति ने बताया कि सुबह हवन यज्ञ होगा उसके बाद भंडारा शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होगा। जिसमें कलाकार नाहना पहलवान और दलजीत व अन्य कलाकार लोगों का मनोरंजन कराएंगे।

पीजीआई के ठेके कर्मियों ने की हड़ताल

रोहतक। पीजीआई में ठेके पर लगे कर्मचारियों ने सोमवार को हड़ताल शुरू कर दी। अनिश्चित कालीन हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों ने ठेकेदार, प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ठेके पर लगे कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें कौशल रोजगार निगम के तहत लगाया जाए। जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक हड़ताल जारी रखेंगे।

रिहायशी प्लॉटों को लेकर डीसी से मिले किसान

रोहतक। एचएसआईआईडीसी से अपने रिहायशी प्लाटों के लिए किसान सोमवार को विकास भवन के बाहर डीसी धीरेंद्र खडग़टा से मिले। बलियाना, खरावड़, खेड़ी साध व नौंनद के किसानों ने बताया कि जमीन अधिग्रहण करने के बाद दस प्रतिशत राशि जमा कराने पर भी उन्हें प्लॉट नहीं मिले।

एमबीबीएस परीक्षा से जुड़े घोटाले का मामला, कुलपति ने की कार्रवाई

हेल्थ यूनिवर्सिटी के दो कर्मचारी निलंबित, तीन की सेवा पर लगी रोक

- अतिरिक्त परीक्षा शाखा के कर्मचारियों का तुरंत प्रभाव किया तबादला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज में एमबीबीएस परीक्षा से जुड़े घोटाले का पर्दाफाश होने का मामला सामने आया है। मामले में तुरंत प्रभाव से संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने दो कर्मचारियों रोशन लाल व रोहित को निलंबित कर दिया गया है और तीन आउट्सोर्स कर्मचारी दीपक, इंदू बजाज व रितू की सेवाओं पर रोक लगा दी गई। इसके अलावा एक जांच कमेटी का गठन किया गया है जो इस शिकायत की गहनता से जांच कर रही है, कमेटी को रिपोर्ट एक महीने में देनी है। प्रशासन का कहना है कि इसके अतिरिक्त परीक्षा शाखा के कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से वहां से बदल दिया गया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मौके पर उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के आदेश तुरंत प्रभाव से दे दिये गए हैं और जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जांच के लिए कमेटी गठित

स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय रोहतक में एक शिकायत कुछ दस्तावेज व वीडियो सहित प्राप्त हुई थी, जिसमें एमबीबीएस परीक्षा में कुछ धांधलियों व खामियों को उजागर किया गया था। जिस पर तुरंत प्रभाव से संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने दो कर्मचारियों रोशन लाल व रोहित को निलंबित कर दिया और तीन आउट्सोर्स कर्मचारी दीपक, इंदू बजाज व रितू की सेवाओं पर रोक लगा दी। इसके अलावा एक जांच कमेटी का गठन किया गया है जो उपरोक्त शिकायत की गहनता से जांच कर रही है, जिसको अपनी रिपोर्ट एक महीने में देनी है। इसके अतिरिक्त परीक्षा शाखा के कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से वहां से बदल दिया गया है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मौके पर उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के आदेश तुरंत प्रभाव से दे दिये गए हैं और जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी और किसी भी दोषी को बक्शा नहीं जाएगा। -जनसंपर्क विभाग, यूएचएस रोहतक

यह है मामला

मामले के अनुसार, आरोपियों ने एमबीबीएस छात्रों से कथित तौर पर पेपर पास करवाने के लिए प्रति विषय 3 लाख रुपये से 5 लाख रुपये के बीच लिया है। एक एमबीबीएस छात्र द्वारा विश्वविद्यालय के अधिकारियों के पास शिकायत देने के बाद इस मामले का खुलासा हुआ है। छात्र ने बताया कि आरोपी छात्र परीक्षा लिखने के लिए ऐसे पेन का उपयोग करते थे जिसकी स्याही सुखाकर साफ की जा सके। इसके बाद उत्तर पुस्तिकाएं विश्वविद्यालय से बाहर भेजी जाती थी। इसमें यूनिवर्सिटी के कर्मचारी और राज्य के तीन निजी मेडिकल कॉलेजों के छात्र शामिल हैं। हालांकि खुलासा जांच के बाद ही हो सकता है।

ऐसे देते थे घटनाक्रम को अंजाम

सूत्रों ने बताया कि छात्र मिटाने योग्य स्याही का उपयोग करके परीक्षा लिखते थे। इसके बाद उत्तर पुस्तिकाएं विश्वविद्यालय से बाहर भेजी जाती थी। जहां एक्सपर्ट द्वारा हेयर ड्रायर का उपयोग करके लिखावट को हटा दिया जाता था। उत्तर पुस्तिकाएं दोबारा लिखी गई और मूल्यांकन के लिए जमा की गई परीक्षा पास करने के लिए प्रति विषय 3 लाख से 5 लाख का लेनदेन हुआ। बाहर ले जाकर आरोपियों की टीम हेयर ड्रायर से स्याही को गायब करके उत्तर पुस्तिकाओं में सही जवाब लिख कर दोबारा सेंटर में भेजती थी। आरोपी एमबीबीएस परीक्षाओं में ही नहीं बल्कि छात्रों को एनईईटी-यूजी और फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट्स परीक्षा जैसी अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं को पास कराने में भी मदद करते थे।

एक माह में कमेटी सौंपेगी रिपोर्ट

कहा तो यहां तक जा रहा है कि अधिकारियों को छात्रों द्वारा अपने आउटसोर्स कर्मचारियों को किए गए दो अलग-अलग ऑनलाइन लेनदेन के सबूत मिले हैं। शिकायत और जांच की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल ने दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। जबकि तीन आउटसोर्स स्टाफ सदस्यों की सेवाएं जांच पूरी होने तक तत्काल प्रभाव से बंद कर दी गई हैं। उन्होंने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी भी गठित की है। पैनल को एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी।

प्रतिमा अनावरण स्थल पर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेते प्रदेश के सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा।

सीएम करेंगे स्वतंत्रता सेनानी पं. श्रीराम शर्मा की प्रतिमा का अनावरण: डॉ अरविंद शर्मा

रोहतक। प्रदेश के सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह 15 जनवरी को महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित श्रीराम शर्मा की आदमकद प्रतिमा का अनावरण करेंगे। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने अनावरण स्थल पर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रतिमा अनावरण समारोह भव्य होगा। प्रतिमा अनावरण समारोह में भारी संख्या में लोग शामिल होंगे। अनावरण समारोह को लेकर लोगों में उत्साह बना हुआ है। इस दौरान उन्होंने श्री राम शर्मा विचार मंच के सदस्यों के साथ समारोह को लेकर विस्तार से चर्चा की।

जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय चौटाला ने सावित्री देवी के निधन पर शोक जताया

रोहतक। जजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने सैक्टर 2 मे पहुंचकर नगर निगम के मनोनित पार्षद राजेश सैनी की बड़ी माता सावित्री देवी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने सैनी परिवार के साथ मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और शोक संवेदना प्रकट की। एडवोकेट अजय कुमार इंदौरा ने बताया कि ठेकेदार हरज्ञान मोखरा, डॉक्टर संदीप हुड्डा, रविंद्र सांगवान, प्रवेश कंसाला कृष्ण घणघस ,राजेश गुलिया, प्रवीण लाम्बा, सूरजभान सैनी राजेश राठी, अभिषेक देशवाल, हरकिशन खटक, मास्टर शमशेर अक्षय मकरोली जितेंद्र दहिया, नरेंद्र फोगाट, मनजीत कुमार,, चंद्र सिंह गहलोत, नरेश सैनी शांतनु सैनी आदि मौजूद थे।

महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी करमिंदर ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

समाज में जागरूकता से खत्म होगा बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी द्वारा रेलवे स्टेशन पर बाल विवाह के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से बाल विवाह के खिलाफ आम जन को प्रतिज्ञा लेने के लिए आमंत्रित किया और हस्ताक्षर करवाकर जागरूक किया गया। यह अभियान एक माह तक चलेगा और इस अभियान के तहत विभिन्न माध्यमों से आम जन को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत करवाते हुए इसके कानूनी पहलु के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी करमिंदर कौर ने हस्ताक्षर अभियान में शामिल आम जन को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह को समाज में जागरूकता के माध्यम से खत्म किया जा सकता है, जिसके लिए सरकार द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में अन्य विभागों के साथ मिलकर लगातार गतिविधियां आयोजित की जा रही है।

रोहतक। रेलवे स्टेशन पर बाल विवाह के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाते हुए।

एमडीडी ऑफ इंडिया के जिला संयोजक ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य कानूनी जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से लोगों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करके बाल विवाह का उन्मूलन करना है। अभियान का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना, कमजोर समूहों को सशक्त बनाना और इस कुप्रथा को समाप्त है। एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था की ओर से मिथलेश द्वारा स्टेशन पर आने वाले यात्रियों को भारत को बाल विवाह मुक्त करने व इस अभियान में शामिल होने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर एमडीडी ऑफ इंडिया के जिला संयोजक, आरपीएफ थाना के इंचार्ज व आरपीएफ के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

लाल डोरा के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों के अधिभोगियों को दिया जाएगा संपत्ति प्रमाणपत्र

रोहतक। क्षेत्र के लाल डोरा के अन्तगत आने वाली संपत्तियों के अधिभोगियों को सम्पत्ति प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगें। नगर निगम आयुक्त धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि आबादी देह तथा लाल डोरा में आने वाली सभी संपत्ति आईडी में दर्ज विवरण जैसे स्वामी के नाम संपत्ति के क्षेत्रफल संपत्ति में दर्ज मोबाइल नंबर संपत्ति की श्रेणी आदि विवरण के दावे, आपत्तियां लिखित में मांगे गये थे। संपत्ति के स्वामित्व को सिद्ध करने के लिए शहरी स्थानीय निकाय विभाग, पंचकुला के निर्देशानुसार राजस्व प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित दावेदार का शपथ पत्र, जिसमें आबादी दहे, लाल डोरा में स्वामित्व, कब्जा का स्पष्ट उल्लेख हो, कोई भी दो दस्तावेज, जिनमें पिछले 10 वर्षों का बिजली बिल, पिछले 10 वर्षों का पानी का बिल, सरकार द्वारा जारी किए गए दस्तावेज जैसे इपीआईसी, ड्राईविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, जीएसटी पंजीकरण प्रमाण पत्र आदि जिसमें पता शामिल हो।

6 से 13 जनवरी तक बरेली में आयोजित 8वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप

साई एनसीओई के मुक्केबाजों ने 5 पदक जीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) रोहतक के एलीट मुक्केबाजों ने गत 6 से 13 जनवरी, तक उत्तर प्रदेश के बरेली में आयोजित 8वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। एनसीओई रोहतक के एलीट पुरुष मुक्केबाजों ने प्रतिष्ठित आयोजन में पांच स्वर्ण पदक और एक रजत पदक सहित कुल छह पदक जीते। कुल 22 मुक्केबाजों ने विभिन्न राज्यों/इकाइयों का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न भार श्रेणियों में भाग लिया। मनीष राठौर 55 किग्रा (एआईपी का प्रतिनिधित्व) ने (स्वर्ण), सचिन 60 किग्रा (एसएससीबी का प्रतिनिधित्व) ने (स्वर्ण), अभिनाश जामवाल 65 किग्रा (एचपी का प्रतिनिधित्व) ने (स्वर्ण), सुमित दहिया 85 किग्रा (एआईपी का प्रतिनिधित्व) ने (स्वर्ण), निखिल दुबे ने 75 किग्रा (आरएसपीबी का प्रतिनिधित्व) ने (स्वर्ण), हेमंत यादव ने 70 किग्रा (आरएसपीबी का प्रतिनिधित्व ने (रजत) पदक हासिल किया। इस अवसर पर एनसीओई रोहतक के उप निदेशक सचिन के. ने एनसीओई की पूरी टीम को उनकी उपलब्धि और प्रदर्शन के लिए बधाई दी। एलीट पुरुष एथलीटों और उनके कोचों की कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता की प्रशंसा करते हुए, उप निदेशक ने कहा, कि यह रोहतक की भावना और उत्कृष्टता का प्रमाण है। हमारे मुक्केबाजों ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उनकी जीत हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता और खेल उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए हमारे कर्मचारियों और एथलीटों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जीत केवल उन एथलीटों की नहीं है जिन्होंने पदक जीते, बल्कि समर्पित कोचों, सहायक कर्मचारियों और प्रशासनिक टीम की भी है।

हरिभूमि सहेली

प्रकृति के स्वरूप के साथ सूर्य की गति बदलने का उल्लास पर्व है- मकर संक्रांति। इस पर्व से जुड़ी हमारी प्यारी-मनोहारी सांस्कृतिक परंपराएं न केवल हमें स्वस्थ-ऊर्जावान रहने के लिए प्रेरित करती हैं। अपने घर, परिवार, रिश्तों, आस-पड़ोस और समाज से जुड़ाव को प्रगाढ़ बनाने का भी संदेश देती हैं। आइए आज इस पर्व को हम भी अपनों के संग भरपूर उमंग-उल्लास के साथ मनाएं।

सबसे जुड़कर हंसी-खुशी मनाएं मकर संक्रांति

कवर स्टोरी
सरस्वती रमेश

भारतीय संस्कृति और परंपराओं में माघ, सूर्य की महिमा, स्तुति और उसकी ऊष्मा का गुणगान करने का माह है। माघ यानी मकर संक्रांति पर्व का मास। मकर संक्रांति सूर्य की आराधना का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। इस दिन सूर्य, धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है और अगले छह मास तक पृथ्वी के उत्तरार्ध की ओर झुक जाता है। इस कारण धरती पर सूर्य की गर्मी अधिक पहुंचती है, प्रकृति में तेजी से नवसृजन होता है। इस नवसृजन का प्रभाव प्रकृति के हर जीव पर पड़ता है, चाहे वह सूक्ष्म हो या वृहद। प्रकृति में हुए इस बदलाव का उत्सव मकर संक्रांति के रूप में मनाया जाता है।

सेहत-स्वाद और आत्मीयता

मकर संक्रांति का पर्व तिलकुट, गजक, रेवड़ी, मूंगफली, खिचड़ी और लड्डुओं के स्वाद में सराबोर होकर आता है। संयुक्त परिवारों में अब भी मीठी सेव, तिल और चावल के लड्डू बनाने के लिए बड़े-बड़े पतीले चूल्हे पर चढ़ते हैं। घर की सारी महिलाएं विभिन्न प्रकार के लड्डू बनाने के लिए एकत्र होती हैं। हंसी-ठिठोली करते हुए सेहत और स्वाद से भरी चीजें कनस्तर भर-भर कर बना ली जाती हैं, समय का पता ही नहीं चलता। शहर में रहने वाली काम-काजी महिलाएं अगर घर पर संक्रांति के पकवान बनाने का समय नहीं निकाल पाती हैं तो बाजार से सारी चीजें खरीद लाती हैं या ऑर्डर देकर बनवाती हैं। फास्ट फूड के जमाने में भी देसी स्नैक्स के क्रेज को बरकरार रखने के पीछे हमारे घर की बड़ी-बूढ़ी महिलाओं का विशेष योगदान होता है। तभी तो संक्रांति आते ही बाजार गजक, रेवड़ी और मूंगफली के आइटम से भर जाते हैं।

जुड़ाव का पर्व

मकर संक्रांति सिर्फ स्नान, ध्यान और प्रकृति से जुड़ने का पर्व नहीं है, यह रिश्तों से भी जुड़ने का समय होता है। देखा जाए तो यह पर्व हमें स्वाद से जोड़ने के साथ-साथ रिश्तों से भी जोड़ता है। गांव के उस आंगन और रसोईघर की स्मृतियां ताजी हो जाती हैं, जब संक्रांति के बहाने कई परिवारों का भोजन एक ही चूल्हे पर पकता था। संक्रांति पर अकसर पौष्टिक खिचड़ी, साग आदि चीजें बनाई जाती थीं। सबसे पहले बच्चे साथ मिलकर खाते थे। फिर घर के बड़ों को भोजन परोसा जाता था। अंत में घर की सारी महिलाएं बोरसी की आंच के इर्द-गिर्द बैठकर भोजन करती थीं। कड़ाके की ठंड में भी आत्मीयता की आंच सबको ऊष्मा से भर देती थी। शहर में रहने वाले परिवार उन बिछड़े दिनों को याद कर कई बार संक्रांति मनाने गांव की ओर चल पड़ते हैं तो कई परिवार अपने शहर के घरों में ही संक्रांति के उल्लास का माहौल बनाने की कोशिश करते हैं। पारिवारिक प्रेम और सहयोग की पवित्र भावना संक्रांति पर्व पर दिखती है।

दान की परंपरा

मकर संक्रांति पर नदियों में स्नान के बाद दान करने की परंपरा रही है। आज की बदली परिस्थितियों में छोटे-बड़े शहरों में भले ही नदियां नहीं हैं, लेकिन दान की परंपरा हर जगह बरकरार है। मकर संक्रांति के दिन महिलाएं तिल, मूंगफली, गजक और बेसन से बने सूखे व्यंजन अपनी काम वाली बाई, गेटकीपर, गार्ड जैसे लोगों को दान कर संक्रांति की परंपराओं को जीवित रखे हुए हैं। मकर संक्रांति पर बेटी के ससुराल में त्यौहारी पहुंचाने से लेकर चौक पर बैठी बुढ़िया और उनके दीन हीन बच्चों को गुड़, तिलकुट, रेवड़ी, मिठाई और कपड़े पहुंचाती हैं। सिर्फ संक्रांति पर ही नहीं, पूरे वर्ष घर-परिवार, पास-पड़ोस सबको वो देने का विशेष ख्याल रखती हैं। रिश्तों को समय, बच्चों को प्रेम, बड़ों को सम्मान, छोटों को मान महिलाएं ही तो देती हैं।

सूर्य से प्रेरणा लें

मकर संक्रांति का सूर्य हमें अपने जीवन में आशा, उमंग और ऊर्जा भरने की प्रेरणा देता है। धुंध और कोहरे में कई हफ्ते तक निस्तेज रहने के बावजूद सूर्य अपनी आभा नहीं भूलता और चौदह जनवरी को मकर राशि में प्रवेश करता है। वैसे ही हमें भी कठिनाइयों के धुंध में पड़कर अपना विवेक, बुद्धि और हौसला नहीं छोड़ना चाहिए। मुश्किलों को अपने हौसले की नदी में विसर्जित करने का हुनर आज की स्त्री ने सीख भी लिया है। तभी तो वो दिन दूनी, रात चौगुनी गति से नई ऊंचाइयां छू रही हैं। सूर्य के समान ही अपनी आभा बिखेर रही हैं।

सामूहिकता की संस्कृति

जैसा हम सब जानते हैं, मकर संक्रांति सामूहिकता का पर्व है। यह सामूहिकता ही हमारी संस्कृति के मूल में है। हम समाज का हिस्सा हैं और सामूहिकता ही हमें जीवन जीने का उल्लास देती है। हम सभी मिल-जुल कर रहें। मिल-बांट कर खाएं। हमारे आस-पास कोई भूखा न रहे। कोई तकलीफ में न रहे और यदि किसी को भी हमारी जरूरत हो तो हम उसकी मदद को तत्पर रहें। एक तरह से देखा जाए तो सामूहिकता की संस्कृति को जीवित रखने में महिलाओं का बड़ा योगदान है। घर-परिवार को एक डोर में बांधने का सारा दारोमदार महिलाओं पर ही होता है। कोई मनमुटाव हो तो महिलाएं ही आपसी सहमति या मेल कराने के लिए पुल का काम करती हैं, एकजुट बने रहने के महत्व को समझती हैं। मकर संक्रांति का पर्व हर वर्ष यही संदेश लेकर आता है।

तन के साथ मन की शुद्धि

मकर संक्रांति पर स्नान करने की परंपरा है। जिस तरह मकर संक्रांति पर तन की शुद्धि के लिए स्नान किया जाता है, उसी तरह मन को भी शुद्ध रखना आवश्यक है। मन का शुद्धिकरण होता है, नकारात्मकता और अन्य द्वेषपूर्ण विचारों को मन से परित्याग करके। परिवार-समाज में रहते हुए कभी-कभी मन में ईर्ष्या, द्वेष, कड़वाहट की भावनाएं आ जाती हैं। सास-बहू के विचारों में टकराव, ननद-भाभी के बीच टकरार या पति-पत्नी के बीच नोक-झोंक होना आम बात है। ये अवरोधक बनकर हमारे आगे खड़े हो जाते हैं। हमारे रिश्तों की बेल आगे बढ़ने से रोकती हैं। खुश रहने और सबसे मेल-मिलाप करने से रोकती हैं। इस तरह हमारे जीवन और रिश्तों में मायूसी, उदासी और अकेलेपन की बर्फ जम जाती है। लेकिन मकर संक्रांति मन का सारा मैल साफ कर मन में प्रसन्नता का उजास जगाने का अवसर है।

मकर संक्रांति देता है सेहत संवारने के सूत्र

वैसे तो मकर संक्रांति धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है। लेकिन इससे जुड़ी परंपराएं और गतिविधियां ऐसी हैं, जिनमें हमें अपनी सेहत संवारने के सूत्र भी मिलते हैं। इनके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

सजेशन
डॉ. मोनिका शर्मा

मकर संक्रांति केवल एक पारंपरिक त्योहार भर नहीं है। यह सेहत बनाने और संवारने का पाठ भी पढ़ाता है। हालिया बरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होने के मायने हमने अच्छे से समझ लिए हैं। परंपरागत खान-पान और अच्छी जीवनशैली का महत्व भी अब और गहराई से समझ आया है। ऐसे में मकर संक्रांति जैसे पर्व से जुड़ी हमारी मान्यताएं, स्वास्थ्य सहेजने में मदद करने वाली हैं।

संतुलित दिनचर्या की अहमियत: यह त्यौहार न केवल हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लेकर आता है बल्कि सेहत के लिए भी कई संदेश लिए है। गुनगुनी धूप वाली इस रुत में हमारी दिनचर्या ही बदल जाती है। यह पर्व प्रकृति के जरिए स्वास्थ्य को सहेजने की सीख देता है। मकर संक्रांति पर सूर्य के उत्तर दिशा में जाने से दिन बड़े होने लगते हैं और इसी के साथ वसंत ऋतु का भी आगमन होता है। मकर-संक्रांति से प्रकृति भी करवट बदलती हैं। ऊर्जा और उजास का यह पर्व, मौसम के बदलाव संग सामंजस्य बनाते हुए अनुशासित जीवन जीने की सीख देता है। वैज्ञानिक अध्ययन और चिकित्सकों की सलाह भी तन-मन को सहेजने के लिए संतुलित दिनचर्या को सबसे जरूरी बताते हैं।

धूप की जरूरत पर ध्यान: इस पर्व पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। यह केवल मनोरंजन भर नहीं है। पतंग उड़ाने की यह रीत सेहत से भी जुड़ी है। खुले आसमान तले छत पर या मैदान में पतंग उड़ाना और सूर्य की किरणों का सीधे हमारे शरीर के संपर्क में आना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। अब तो वैज्ञानिक भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि धूप में बैठने से शरीर को विटामिन-डी मिलता है। कई तरह के कीटाणु खत्म होते हैं और मन भी अवसाद से दूर रहता है। नींद अच्छी आती है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह प्राकृतिक उजास समग्र जीवन को संवारती है। मनोभावों में संतुलन लाती है। अवसाद और थकान को दूर कर ऊर्जावान जीवनचर्या से जोड़ती है।

मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल: सर्दियों का मौसम एक ठहराव लाता है। इसमें मन-अनमना सा रहता है। संक्रांति पर्व से मौसम का बदलाव और खिली धूप की रंगत मन को सुकून देती है। उत्तरायण में सूर्य के होने से व्यक्ति में नई ऊर्जा का संचार होता है। इस समय खिली धूप से मन को सकारात्मकता की उजास मिलती है। सूरज की किरणें पड़ने पर अच्छा महसूस कराने वाले हार्मोन, सेरोटोनिन और एंडोर्फिन का स्राव बढ़ता है। जिससे हमारे मन को खुशनुमा अहसास की सौगात मिलती है।

खान-पान से बढ़े इम्यूनिटी: देश भर में लोग मकर संक्रांति के त्यौहार पर तिल, मूंगफली, गुड़, चावल और उड़द की दाल जैसी चीजों का सेवन करते हैं। इन सभी चीजों में सबसे ज्यादा महत्व तिल को दिया जाता है। जो शरीर को निरोग रखता है। इस पर्व पर जिन चीजों को खाने में शामिल किया जाता है, वे पौष्टिक होने के साथ ही साथ शरीर को ऊर्जा देने वाले और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले हैं। समझना मुश्किल नहीं कि सांस्कृतिक विरासत ही नहीं सेहतमंद रहने के मोर्चे पर भी यह त्योहार बहुत महत्वपूर्ण है।

सर्दियों में जब करना हो ड्राई स्किन पर मेकअप

मेकअप
सरिता गुप्ता

सर्दी के मौसम में अधिकतर लोग स्किन पर ड्राईनेस की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में ड्राई स्किन पर मेकअप करने के बाद भी ग्लो नहीं आ पाता है। इसलिए मेकअप को अट्रैक्टिव बनाने के लिए स्किन का ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आपकी भी स्किन ड्राई है तो मेकअप करने से पहले कुछ आसान टिप्स अपनाकर चार्मिंग मेकअप लुक पा सकती हैं।

यूज करें फेस वॉश: ड्राई स्किन होने के कारण कुछ लोग सर्दियों में फेस वॉश लगाना कम कर देते हैं, लेकिन आप ऐसा बिल्कुल न करें क्योंकि फेस को क्लीन करना बहुत जरूरी होता है। खासतौर पर मेकअप करने से पहले फेस वॉश करना न भूले। ड्राईनेस कम करने के लिए आप हाइड्रेटिंग या वाटर बेस्ड फेस वॉश यूज कर सकती हैं।

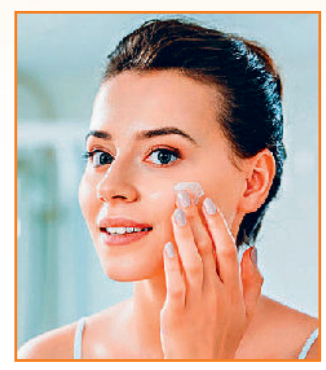

स्किन पर करें मसाज: आपने नोटिस किया होगा कि ड्राई स्किन पर कई बार मेकअप के बाद क्रैक दिखने लगते हैं, जिससे स्किन सुंदर दिखने की बजाय पैची दिखने लगती हैं। ऐसे में आप जब भी मेकअप करें, उससे पहले किसी अच्छे मॉइश्चराइजर से हल्की-सी मसाज कर लें। मसाज के बाद फेस को हाथों से थपथपा लें। इससे चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन अच्छा हो जाता है और स्किन सॉफ्ट हो जाती है। ऐसा करने से मेकअप अच्छी तरह सेट हो जाता है और स्किन ड्राई नहीं रहती है। इससे मेकअप अपीलिंग दिखता है।

लिक्विड फाउंडेशन-प्राइमर: विंटर सीजन में ड्राई स्किन पर हमेशा मसाज के बाद प्राइमर जरूर लगाएं। फिर क्रीमी लिक्विड फाउंडेशन का यूज करें। इससे आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी और उस पर जब आप मेकअप करेंगी तो अच्छा रिजल्ट दिखेगा।

मेकअप प्रोडक्ट हों ग्लासी: विंटर सीजन में स्किन ड्राईनेस को देखते हुए ग्लासी मेकअप करना अच्छा ऑप्शन है। मेकअप प्रोडक्ट्स में विटामिन-ई, विटामिन-ए, विटामिन-सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स होने चाहिए। कंसीलर और फाउंडेशन भी विटामिन-सी और विटामिन-ई युक्त होने चाहिए। इनसे स्किन ज्यादा ग्लो करती है और मेकअप भी निखर उठता है।

लूज पावडर यूज ना करें: विंटर सीजन में मेकअप करने के दौरान ड्राई स्किन पर लूज पावडर का यूज बिल्कुल न करें, इससे आपका फेस और भी ड्राई नजर आने लगेगा। ये आपके मेकअप का सारा लुक खराब कर सकता है। इसलिए विंटर सीजन में लूज पावडर को अवॉइड करना सही होगा।

(मेकअप आर्टिस्ट ममता खन्ना से बातचीत पर आधारित)

हाल के वर्षों में ऑनलाइन फ्रॉड के नए तरीके डिजिटल अरेस्ट के मामले अक्सर देखने-सुनने को मिलने लगे हैं। इसमें जरा सी असावधानी से आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। इससे बचने के लिए यहां बताई जा रही बातों का ध्यान रखें।

डिजिटल अरेस्ट से रहें सावधान

एलर्टनेस
प्रेमलता यदु

आज डिजिटलाइजेशन का दौर है। डिजिटलाइजेशन के अनेक फायदे हमें हमारे रोजमर्रा के जीवन में देखने को मिलते हैं। जैसे अब हमें अपने साथ कैश लेकर चलने की जरूरत नहीं होती। हर छोटे से लेकर बड़े दुकानदार, यहां तक कि सड़क पर सामान बेच रहे गुमटी वालों के पास भी यूपीआई पेमेंट की सुविधा होती है, जिससे सेकेंडों में पेमेंट बड़ी ही आसानी से हो जाती है। इतनी सुविधाओं के बावजूद कई बार इससे नुकसान भी हमें उठाना पड़ सकता है, जब हम उनका उपयोग सावधानीपूर्वक नहीं करते हैं या उपयोग करते हुए लापरवाही बरतते हैं। ऑनलाइन क्राइम्स में से एक डिजिटल अरेस्ट भी है। इसके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

क्या है डिजिटल अरेस्ट : डिजिटल अरेस्ट एक डिजिटल स्कैम है, जिसके जरिए अपराधी, लोगों को डराकर लाखों-करोड़ों रुपए लूट लेते हैं। इसमें फोन करने वाला व्यक्ति कभी पुलिस, कभी सीबीआई, कभी आरबीआई, कभी नारकोटिक्स ब्यूरो के अधिकारी तो कभी इनकम टैक्स या एटीएस अधिकारी बनकर वाट्सएप या स्काइप कॉल करता है। वो कुछ इस तरह से बात करता है कि असली अधिकारी लगता है। यहीं से डिजिटल अरेस्ट का खेल शुरू होता है। वे लोग व्यक्ति को मेंटली डराते-धमकाते हैं। वे कॉल पर कनेक्ट व्यक्ति को इस बात का यकीन दिलाते हैं कि उनके साथ या उनके परिजनों के साथ बहुत बुरा हो सकता है क्योंकि वे ड्रग्स, मनी लांड्रिंग, अवैध पार्सल, सेक्स रैकेट या फिर किसी ऐसे मामले में फंस गए हैं, जिस वजह से उन पर कानूनी कार्यवाही होना निश्चित है। ऐसे में ज्यादातर लोग डर जाते हैं, उनके जाल में फंसते चले जाते हैं और फिर जैसे-जैसे वे कहते हैं, वो करने लगते हैं। इसे ही कहते हैं डिजिटल अरेस्ट।

डिजिटल अरेस्ट से बचने के तरीके : कुछ बातों का ध्यान रखकर और कुछ जरूरी सावधानियां बरतकर आप बहुत हद तक स्वयं को डिजिटल अरेस्ट से बचा सकती हैं।

अननोन कॉल्स को इग्नोर करें : जब भी किसी अननोन नंबर या मेल आईडी से कॉल या ई-मेल के जरिए संदेश आए कि आप या आपके परिजन ड्रग्स, मनी लांड्रिंग, सेक्स स्कैंडल या चोरी जैसे आपराधिक मामले में लिप्त पाए गए हैं या जांच के दायरे में आ रहे हैं तो ऐसे कॉल या ई-मेल की ओर ध्यान न दें, उसे इग्नोर करें। रिप्लाई तो बिल्कुल न करें। हमेशा याद रखें, किसी भी एफआईआर या अपराधिक मामले पर ऑनलाइन कार्यवाही नहीं की जाती है।

बिल्कुल न डरें-न घबराएं: साइबर ठग अकसर आपके डर और घबराहट का ही फायदा उठाते हैं। वे इस बात की धमकी देते हैं कि आप पर या आपके परिजनों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी, गिरफ्तारी की जाएगी ऐसी बातों से न डरें, न ही घबराएं और न ही किसी प्रकार की कोई ओटीपी, अपना बैंक डिटेल या यूपीआई डिटेल शेयर करें।

निजी जानकारी देने से बचें: किसी भी अनजान नंबर से आए कॉल या विडियो कॉल पर बातचीत के दौरान पूछे गए सवालों के उत्तर देने की जल्दबाजी न करें। केवल सुनें और शांत रहें। किसी भी तरह की निजी जानकारी देने से बचें। जरा भी शक होने पर तुरंत फोन काट दें, अनजान नंबरों से आने वाली कॉल पर लंबी बातचीत करने से बचें।

शिकायत दर्ज करवाने में न करें देर: किसी भी प्रकार के फ्रॉड कॉल या वीडियो कॉल के शिकार होने पर चुप न बैठें। सरकारी पोर्टल चक्षु पर या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत अवश्य दर्ज कराएं। याद रखें किसी भी प्रकार के आपराधिक मामले में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए सतर्क रहें और सुरक्षित रहें।

यह सही है कि आज अधिकतर लोग भाग-दौड़ भरी जीवनशैली जीते हैं। लेकिन हर काम, हर बात में जल्दबाजी या हड़बड़ी दिखाना सही नहीं है। ऐसा 'हरी सिकनेस' की वजह से हो सकता है। 'हरी सिकनेस' की मानसिकता से बचने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

इतनी जल्दी किस बात की है...

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

दीपा हर वक्त मानो पायलट मोड में रहती है। इसलिए उसके घर वाले उसे हड़बड़िया कहते हैं। उसके पति उसे फटफटिया यानी फटाफट काम करने वाली कहते हैं। दरअसल, दीपा कोई भी काम हाथ में आते ही उसे जल्दी से जल्दी खत्म करने की कोशिश करती है, मानो कोई अवॉर्ड हासिल करना हो। वह हर किसी को कहती है, 'मेरे पास कोई काम कभी पेंडिंग नहीं रहता।' इसी तरह का एक और उदाहरण- मनीषा को कहीं से न्यौता मिल जाए या किसी के साथ अपॉइंटमेंट हो तो वह नियत समय से एक-डेढ़ घंटा पहले से ही तैयार हो कर इधर-उधर टहलना शुरू कर देती है। किसी तरह से वक्त होने का इंतजार करती है। कई बार तो समय से काफी पहले ही घर से निकल पड़ती है। हर वक्त हड़बड़ी में रहने के ऐसे लक्षण बताते हैं कि आप 'हरी सिकनेस' के शिकार हैं।

क्या है हरी सिकनेस: यह ऐसी मानसिक स्थिति है, जिसमें व्यक्ति हर काम को बहुत जल्दबाजी में करता है। ऐसा व्यक्ति किसी भी काम को करते वक्त उद्विग्नता, चिंता या हड़बड़ी महसूस करता है। जब तक वो किसी भी तरह काम को कर नहीं लेता, तब तक बेचैन रहता है। पास में काफी समय हो तो भी व्यक्ति उस काम को जल्दी में करने की चिंता में रहता है।

हरी सिकनेस के लक्षण: हरी सिकनेस का शिकार व्यक्ति अकसर जल्दी-जल्दी बोलता है, इतनी जल्दी कि शब्द भी ठीक से उच्चारित नहीं कर पाता और बहुत सारे शब्द उसके मुंह में ही रह जाते हैं। ऐसे लोग जल्दी-जल्दी खाते हैं मानो खाना खत्म हो जाएगा या फिर खाने का वक्त ही नहीं है। इन्हें किसी चीज में जरा-सी भी देर हो जाए तो इरिटेट हो जाते हैं। ऐसे लोग अकसर एक साथ कई काम करने की कोशिश करते हैं और किसी काम को भी सही ढंग से पूरा नहीं कर पाते। हरी सिकनेस के शिकार लोग दूसरों को अपनी बात खत्म करने नहीं देते और बीच में खुद ही बोलने लगते हैं। अगर ये रेस्टोरेंट में खाने जाएं या इन्हें किसी लाइन में इंतजार करना पड़ जाए तो झल्लाने लगते हैं। ये हमेशा एक तरह की हड़बड़ाहट-घबराहट में रहते हैं।

नुकसान: हरी सिकनेस और हड़बड़ी के कई तरह के नुकसान होते हैं। इसका सबसे बड़ा असर दिमाग और सेहत पर तब पड़ता है, जब जल्दी-जल्दी काम करने पर शरीर और दिमाग थक जाता है। इससे माइग्रेन की समस्या भी हो जाती है। कई लोगों में इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है, पेट हमेशा खराब रहने लगता है। इन्हें भूख नहीं लगती और सांस फूल जाती है। अकसर ऐसे लोग बहुत जल्दी घबरा जाते हैं। समय पर इस आदत को सुधारा न जाए तो यह आदत आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज का कारण बन सकती है।

जरा धीरज रखिए: वियतनाम के बौद्ध संत थिक न्यात हान्ह ने कहा है, 'जिंदगी में ज्यादा भागम-भाग करने की जरूरत नहीं है। आप जहां हैं, वहीं ठीक हैं। आपको अपनी जगह पर ज्यादा ध्यान का अभ्यास करना चाहिए।' ज्यादातर लोग इस बात पर विश्वास नहीं करते कि सिर्फ चलना ही पर्याप्त है, ऐसे जैसे आपको कहीं जाने की जल्दी है ही नहीं। वे कहते हैं कि कभी-कभी जमीन पर ऐसे चलिए जैसे उसे चूम रहे हों। जरा रुकने का भी अभ्यास करिए। चाय आहिस्ता-आहिस्ता पीजिए। ऐसे पिएं जैसे यही वह धुरी है, जिस पर पृथ्वी घूमती है। भविष्य की ओर भागे बिना वास्तविक क्षणों को जिएं। यह जो क्षण है, वही जिंदगी है।

जापानी दर्शन गमन में भी धैर्य, निरंतरता और दृढ़ता का पाठ पढ़ाया जाता है। इसमें कहा गया है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हमें चिड़चिड़ापन, झुंझलाहट या गुस्सा करने से बचें और शांत मन से स्थिति का सामना करना चाहिए।

जिलेभर में धूमधाम से मनाया लोहड़ी पर्व, कार्यक्रमों की रही धूम

युवाओं ने डीजे और ढोल के साथ की खूब मस्ती , मंगूफली और रेवड़ी का प्रसाद बांटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सोमवार को जिले में लोहड़ी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने खुशियां मनाई। सुंदर मुंदरिये गीत की गूंज हर तरफ सुनाई दी। सभी ने एक दूसरे को लोहड़ी की बधाई दी। देर शाम घरों में लोहड़ी जलाई गई। ढोल बजाकर व डीजे चलाकर युवाओं ने खूब मस्ती की।

लोगों ने अपने आस पड़ोस में मुंगफली व रेवड़ी का प्रसाद भी बांटा। समस्त धर्मों के लिए एकता, भाईचारे का प्रतीक, खुशियों भरा, हिंदू संस्कृति परंपरा का पवित्र और नववर्ष का पहला त्योहार लोहड़ी पर्व सोमवार को माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में हर्षोल्लास, उत्साह, श्रद्धा और भक्तिभाव से मनाया गया। नई दुल्हन व नवजात बच्चे के लिए यह पर्व विशेष महत्व रखता है। सुंदरिये मुंदरिये होए, तेरा कौन बेचारा होए, दुल्ला भट्टी वाला होए, दुल्ले की धी ब्याही होए, कोठे उते हुक्का, ऐ घर भूखा आदि पंजाबी लोक गीतों, बैंड-बाजों की धुन के साथ, गिद्दा और भांगड़ा की थाप पर भक्त नाचते दिखाई दिए।

ब्रह्मलीन गुरुमां गायत्री की कृपा से गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी और भक्तों ने अग्नि जलाकर, अग्नि पूजन की परिक्रमा की और तिल, गुड़, चावल और भुना हुआ मक्का की आहुति डाली। साथ ही अग्नि देव से मनोकामनाएं मांगी। गोकर्ण धाम पर भी लोहड़ी का पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया। जूना अखाड़े के उपाचार्य व महामंडलेश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज ने सभी को अपना आशीर्वाद दिया। भक्तों ने अग्नि की परिक्रमा कर मन्नतें मांगी।

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में लोहड़ी पर्व पर अग्नि की परिक्रमा करके और पूजन करते गद्दीनशीन मानेश्वरी देवी और भक्तजन और गोकर्ण धाम में पूजन करते उपाचार्य व महामंडलेश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज व भक्तजन।

लोहड़ी शब्द तीन अक्षरों से मिलकर बना

साध्वी मानेश्वरी देवी ने कहा कि यह त्योहार मकर संक्रांति से एक दिन पूर्व मनाया जाता है। यह पर्व पौष माह का अंत और माघ माह की शुरुआत मानी जाती है। लोहड़ी शब्द तीन अक्षरों से मिलकर बना है ल से लकड़ी, ओह से गोहा यानि जलते हुए उपले व डी से रेवड़ी। लोहड़ी को लाल लाही, लोहिता व खिचड़वार नाम से भी जाना है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को सदैव वाणी मधुर व विचार शुद्ध रखने चाहिए। सत्संग का मतलब सत्य का संग आपके जीवन में यदि संग भी करने का भाव हो तो अच्छे लोगों का संग करना चाहिए। अच्छी संगत ही अच्छे मार्ग पर ले जा सकती है। अच्छे कर्म करेंगे तो ही सुख प्राप्त होगा।

लोहड़ी के गीत गाए व पूजा की

रोहतक। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में एनएसएस शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत योग व प्रार्थना से की गई। छात्राओं ने लोहड़ी के अवसर पर जमकर गीत गाए और आग जलाकर लोहड़ी की पूजा की गई। हर्टफ़ुलनेस संस्था से फूल सिंह ढाका व ब्रिगेडियर महा सिंह हुड्डा ने स्वयं सेवकों को मेडिटेशन करवाया। विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने के गुर सिखाए। साथ ही विभिन्न कोर्स की जानकारी दी गई, जिससे वे भविष्य में रोजगार प्राप्त कर सकें। स्वयंसेवकों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। यह कैम्प एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम भाकर की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है ।

इंडस कॉलेज में लोहड़ी व मकर संक्रांति मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ कॉलेज प्राचार्या सुषमा जाखड़ ने लोहड़ी व मकर संक्राति के पर्व का महत्व बताया

इंडस कॉलोज ऑफ एजुकेशन में लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पंजाबी और हरियाणवी गीतों से समा बांधा। कॉलेज प्राचार्या सुषमा जाखड़ ने लोहड़ी व मकर संक्राति के पर्व का महत्व बताया। पौष मास में जिस दिन सूर्य धनु राशि से मकर शारी में प्रवेश करता है, उस दिन मकर संक्राति मनाई जाती है।

बांटा प्रसाद : हर साल मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी पर्व मनाया जाता है। इस दिन अग्नि जलाकर उसमें गुड़, तिल, रेवड़ी, मुंगफली व खील की आहूति दी जाती है। यह त्यौहार किसानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। लोहड़ी को फसल के मौसम की शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। जो समृद्धि, खुशी और जीवन के नवीकरण का प्रतीक है। इस मौके पर रेवड़ी, गज्जक व मूंगफली का प्रसाद वितरित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रीति, रेनु अत्री, मोनिका, दिनेश आदि मौजूद रहे।

वीबी कॉलेज में धूमधाम से मनाया लोहड़ी पर्व

रोहतक। वीबी कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में लोहड़ी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर अध्यक्ष सुदर्शन मलिक और डायरेक्टर संतोष मलिक ने लोहड़ी का महत्व बताते हुए सभी को लोहड़ी की शुभकामनाएं दी। सभी को मूंगफली रेवड़ी का प्रसाद और मिठाई वितरित की गई। इस अवसर पर प्राचार्या तृष्णा वर्मा सहित स्टाफ के सभी सदस्य मौजूद रहे।

रोहतक। तेज कॉलोनी में लोहड़ी पर्व पर नाच गाकर खुशी मनाते हुए।

वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

रोहतक। वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में प्राचार्या डॉ. तरुणा मल्होत्रा की अध्यक्षता में सांस्कृतिक कार्यक्रम की संयोजिका डॉक्टर मधु साहनी व टीम सदस्य डॉ. कमलेश, डॉ. ज्योति गोयल और डॉक्टर मोनिका की देखरेख में लोहड़ी पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. मल्होत्रा ने अग्नि जला कर उसने रेवड़ी, मुगफली डाल कर किया। जिसमें विद्यार्थियों ने डांस, शायरी एवं गीतों के माध्यम से कार्यक्रम को रोमांचक बनाया। विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने अग्नि के चारों तरफ डांस करते हुए चक्कर लगाया एवं सुंदरी मुंदरी होए गीत गाया।

हिंदू कॉलेज में धूमधाम से मनाई लोहड़ी प्रधानाचार्य ने त्योहार का महत्व बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

श्री लाल नाथ हिंदू कॉलेज की छात्र कल्याण समिति द्वारा प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेज़ा की अध्यक्षता में लोहड़ी का त्योहार मनाया गया। जिसमें विद्यार्थियों व स्टाफ के सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने लोक-कल्याण और समृद्धि की कामना की। इसके बाद पारंपरिक बोनफायर जलाकर लोहड़ी की बधाई दी। प्रधानाचार्य ने लोहड़ी के महत्व और इसके सांस्कृतिक मूल्य पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि यह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का भी एक प्रयास है। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक रेवड़ी, फुल्ले और मूंगफली के वितरण के साथ हुआ।

डीएलसी सुपवा में शिक्षकों ने दीं शानदार नृत्य प्रस्तुतियां

रोहतक। डीएलसी सुपवा का परिसर लोहरी उत्सव के भव्य आयोजन के साथ खुशियों भरे संगीत और जोशपूर्ण सहभागिता से जगमगा उठा। इस पारंपरिक फसल उत्सव को मनाने के लिए छात्र, शिक्षक और स्टाफ बड़ी उत्साह और जोश के साथ एकत्र हुए और एकता एवं सांस्कृतिक गर्व की भावना को अपनाया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन मालिक ने कहा कि लोहड़ी जैसे त्योहार हमें एकजुट करते हैं। और हमारी जड़ों, मूल्यों और साझा परंपराओं की याद दिलाते हैं। लोहरी के प्रतीकात्मक केंद्र बिंदु, अलाव, को पारंपरिक ढोल की थाप और तालियों के बीच प्रज्वलित किया गया, जिसने सकारात्मकता की अंधकार पर जीत को दर्शाया। छात्रों और शिक्षकों ने नृत्य प्रस्तुतियां देकर त्योहार के उत्साह को और बढ़ा दिया। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों, जैसे कि परीक्षा नियंत्रक वीपी नंदल, शैक्षणिक मामलों के डीन डॉ. अजय कौशिक, छात्र कल्याण डीन डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह, विभिन्न विभागों के प्रमुख, फैकल्टी सदस्य, स्टाफ और छात्रों ने उत्सव का आनंद लिया।

लोहड़ी पर्व आपसी भाईचारे एवं प्यार का प्रतीक:डॉ. जयपाल शर्मा

रोहतक। गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज में सोमवार को महिला सैल इंचार्ज डॉ. मंजू शर्मा के नेतृत्व में लोहड़ी और मकर संक्रांति का त्योहार बड़े हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। गौड़ शिक्षण संस्थाओं के पदेन सचिव व प्राचार्य डॉ. जयपाल शर्मा ने सभी स्टाफ सदस्यों व छात्राओं को त्योहार की शुभकामनाएं दी। प्राचार्य डॉ. जयपाल ने बताया कि लोहड़ी नई फसल की कटाई का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा हमें सभी त्योहारों को मिल-जुल कर हर्षोल्लास से मनाना चाहिए। इस मौके पर महाविद्यालय उप प्राचार्य डॉ. धर्मवीर भारद्वाज, डॉ. दलबीर कौशिक, डॉ. संतोष शर्मा, डॉ. पिंकी चौहान, डॉ. सुखदेव शर्मा, डॉ. तरुण वत्स आदि मौजूद रहे।

मकर संक्रान्ति विशेषांक

आप सभी को मकर संक्रान्ति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
Amrit Bikaner MISTHAN BHANDAR
गिफ्ट पैकिंग मिठाईया एवं ड्राईफ्रूट उपलब्ध
Amrit Bikaner Misthan Bhandar
Bakery & Restaurant
→ BREAKFAST → LUNCH → DINNER
प्योरिटी और वैरायटी लाजवाब
Near D-Park, Model Town, Delhi Road, Rohtak Ph. : 01262-282856 M. 9896387660
NEAR RAJIV CHOWK, DELHI BYE PASS, ROHTAK Ph. : 01262-262651 M. 7082397778

हॉलमार्क मानकों के गहनों का भरोसेमंद संस्थान
पप्पू ज्वैलर्स (इस्माईला वाले)
भारत सरकार से मान्यता प्राप्त
91.6 Hallmark Jewellery
शुद्ध चांदी व सोने के जेवरों के निर्माता व विक्रेता
आप सभी को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

जगदीश वर्मा (पप्पू)
पुरुषोत्तम मार्किट, सैयद वाली गली, वैश्य गर्ल्स, कॉलेज के सामने, झज्जर रोड, रोहतक - 9896068678

श्री राधे फर्नीचर
High Class and Quality Fresh Furniture
नोट : हमारे यहां पर डबल बैड, सोफा सैट, डायनिंग टेबल, ऑफिस फर्नीचर, दिवान, कम्प्यूटर टेबल, स्टैडी टेबल व विवाह सम्बन्धी फर्नीचर, टी.वी. ट्राली तैयार मिलते हैं।
Garden Furniture also Available

आप सभी को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री रमेश खुराना
समीर खुराना
लिबर्टी सिनेमा के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9812018281, 8168393083, 9896343438

मकर संक्रान्ति (मकर संक्रांति) भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है। मकर संक्रांति (संक्रान्ति) पूरे भारत और नेपाल में भिन्न रूपों में मनाया जाता है। पौष मास में जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है उस दिन इस पर्व को मनाया जाता है। वर्तमान शताब्दी में यह त्योहार जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, इस दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है। तमिलनाडु में इसे पोंगल नामक उत्सव के रूप में जाना जाता हैं जबकि कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते हैं। बिहार के कुछ जिलों में यह पर्व 'तिला संक्रांत' नाम से भी प्रसिद्ध है। मकर संक्रान्ति पर्व को कहीं-कहीं उत्तरायण भी कहते हैं। 14 जनवरी के बाद से सूर्य उत्तर दिशा की ओर अग्रसर (जाता हुआ) होता है। इसी कारण इस पर्व को 'उतरायण' (सूर्य उत्तर की ओर) भी कहते है। वैज्ञानिक तौर पर इसका मुख्य कारण पृथ्वी का निरंतर 6 महीनों के समय अवधि के उपरांत उत्तर से दक्षिण की ओर वलन कर लेना होता है। और यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

आप सभी को मकर संक्रान्ति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
Google पर भी
1999 से क्वालिटी चाहने वालों की पहली पसन्द
शर्मा जी दीमक वाले®
नाम ही काफी है।
9215360900

आप सभी को मकर संक्रान्ति पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
केवल महिलाओं के लिए
BT-36
आयुर्वेदिक दवा
कैप्सूल व क्रीम
मिलते जुलते नामों से सावधान
Shop at: Amazon/Flipkart
सभी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध
81998-30083, 92155-52751

स्वास्थ्य विज्ञान विवि गैर शिक्षक कर्मचारी संघ का चुनाव संपन्न

वजीर सिंह बने प्रधान, तारीफ पैनल की छह पदों पर बड़ी जीत, एकमात्र प्रत्याशी के तौर पर जीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विवि गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के चुनाव संपन्न हुआ। मतदान की मतगणना सोमवार को हुई। मतगणना चुनाव की मतगणना मतदान के दिन होनी थी लेकिन वजीर पैनल की आपत्ति की वजह से विवि प्रशासन ने मतगणना को सोमवार तक टाल दिया। 3 बजे मतगणना नर्सिंग कॉलेज लैब में हुई। कुल 1167 में से 1005 कर्मचारियों ने अपना मतदान किया। पहले छह पदों की गिनती हुई और अंत में प्रधान पद की गिनती हुई।

प्रधान पद पर वजीर सिंह 49 मतों से जीते जबकि वरिष्ठ उप प्रधान पद पर 194 मतों के मार्जिन के साथ संजय सिंहमार जीते। उप प्रधान पद पर प्रवीण जांगडा 41 मतों से, महासचिव पद पर धर्मेंद्र गोठवाल 60 मतों से, कोषाध्यक्ष पद पर राजकुमार जांगडा 13 मतों से, सचिव पर अनीश अरोडा 69 मतों से, प्रेस सचिव पद पर बिजेंद्र शर्मा 53 मतों से जीते। मतगणना शुरू होने के बाद छह जीतों पर दर्ज करने के बाद नजर आ रहा था कि प्रधान पद पर तारीफ सिंह भी आराम से जीत दर्ज करेगें व बाहर डटे पैनल समर्थकों में उत्साह साफ नजर आ रहा था लेकिन अंत में प्रधान पद पर मतगणना में बड़े उलटफेर के साथ वजीर सिंह ने जीत दर्ज की। तारीफ सिंह पैनल की छह पदों पर जीत व वजीर पैनल की प्रधान पद पर जीत से दोनों पैनल के समर्थकों में मिलीजुली प्रतिक्रिया रही। मतगणना के बाद दोनों पैनल के प्रत्याशी मिल जुल कर कर्मचारी हित में काम करने की बात कहते हुए नजर आए। चुनाव अधिकारी डॉ सुखबीर बराड व सह चुनाव अधिकारी डॉ अरुण कुमार ने सभी जीते हुए प्रत्याशियों को बधाई दी व कर्मचारी हित में मिल जुल कर काम करने की बात कही।

रोहतक। प्रधान वजीर सिंह । और अन्य पदाधिकारियों का स्वागत करते समर्थक।

संजय सिंहमार सबसे बड़े मार्जिन से जीते

वरिष्ठ उपप्रधान के पद पर जीते संजय सिंहमार ने सातों प्रत्याशियों में सबसे अधिक मार्जिन से जीत दर्ज की। संजय सिंहमार एक बड़े मार्जिन के साथ 194 वोटों से जीते। संजय इससे पहले भी दो बार वरिष्ठ उपप्रधान व महासचिव के पद पर निर्वाचित हो चुके हैं। वे निरंतर कर्मचारी हितों के मुद्दों पर मुखर रहते हैं। जिस वजह से कर्मचारियों ने उनको बंपर मतदान किया।

कर्मचारी हित के लिए कार्य करेंगे

कर्मचारियों ने हमारे पैनल के छह पदों अपना समर्थन दिया व प्रधान पर वजीर सिंह को निर्वाचित किया है। तारीफ सिंह पैनल का उद्देश्य कर्मचारी हित व एकता को मजबूत करना रहा है व कर्मचारी के हित में काम करना हमारी सभी की प्राथमिकता है। वजीर सिंह के साथ मिल जुल कर शानदार कार्य कर अच्छा उदाहरण पेश करेंगें।

-संजय सिंहमार, वरिष्ठ उप प्रधान-

समाधान शिविरों की लंबित शिकायतों का अधिकारी एक सप्ताह में करें निपटारा : उपायुक्त धीरेंद्र

रोहतक। उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि वे समाधान शिविरों में लंबित शिकायतों का एक सप्ताह में समाधान कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। गत 11 नवंबर से आज तक समाधान शिविरों में 615 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 419 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। लंबित शिकायतों में विकास कार्यों से संबंधित मांग भी शामिल है। समाधान शिविर में प्राप्त हो रही नगर निगम से संबंधित शिकायतों को मौके पर ही नगर निगम को स्थानातंरित किया जा रहा है। उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने जारी आदेशों में कहा कि सरकार के निर्देशानुसार एक छत के नीचे नागरिकों की सभी विभागों से संबंधित शिकायतों के निदान के लिए प्रत्येक कार्य दिवस जिला मुख्यालय, उपमंडल मुख्यालय तथा नगर निगम कार्यालय में सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। समाधान शिविरों की निगरानी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय तथा मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा की जा रही है। सरकार द्वारा समाधान शिविरों की समीक्षा नियमित अंतराल पर की जा रही है। सरकार की नई पहल के तहत काहनौर गांव में गत दिनों रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की शिकायतें सुनी गई तथा विभिन्न विभागों की योजनाओं बारे लोगों को जागरूक किया गया। इस शिविर में उपमंडलाधीश आशीष कुमार तथा जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल ने नागरिकों की शिकायतें सुनी तथा मौके पर संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों के निपटारे बारे दिशा-निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए प्रेरित किया

रोहतक। डॉक्टर सरुप सिंह राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सांघी में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत साप्ताहिक शिविर का शुभारंभ विद्यालय की वरिष्ठ प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा विनय भाटिया ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को ज़रूरतमंदों की मदद व समाज में अपना योगदान निस्वार्थ भाव से देने के लिए प्रेरित किया।

एमडीयू पहलवान निखिल ने गोल्ड मेडल जीता

रोहतक। तलवंडी साबो भटिंडा पंजाब में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पुरुष ग्रीको रोमन स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता में एमडीयू के पहलवान निखिल ने 97 किलो भार वर्ग में पहला गोल्ड मेडल जीता है।

श्री बालाजी धाम पर भंडारे व संकीर्तन का आयोजन

रोहतक। श्री बालाजी धाम गांव डोभ पर पूर्णिमा के मौके पर भंडारे, संकीर्तन और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। संस्थापक प्रधान पुरूषोत्तम दास बंसल ने बताया कि सुबह हवन यज्ञ के साथ-साथ 108 बार हनुमान चालीसा पाठ किया जाता है।

रोहतक जिले में करीब 42 वारदातों को दिया अंजाम, गिरोह में शामिल 5 आरोपी गिरफ्तार

सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ी से बैटरी चोरी करने वाले गिरोह का हुआ खुलासा

पुलिस की एवीटी टीम ने इंवर्टर-बैटरी व मोटरसाइकिल चोरी की 66 वारदातों का किया पर्दाफाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस की एवीटी टीम ने चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह में शामिल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिन्होंने इन्वर्टर, बैटरी और बाइक सहित अन्य सामानों की चोरी की 66 वारदातों को अंजाम दिया हुआ है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने रोहतक जिले में 42 चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। अधिकतर मामले स्कूलों और आंगनवाड़ी से बैटरी चोरी करने के हैं। आरोपियों को कोर्ट में पेश करके एक दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। यह जानकारी एएसपी वाईवीआर शशी शेखर ने पत्रकारों को दी। उन्होंने खुलासा किया कि एवीटी स्टाफ टीम शिवाजी कॉलोनी एरिया में गश्त पर थी। इसी दौरान गांव सुनारियां के पास बालंद पुल के नजदीक एनएच-9 आउटर बाइपास के पास वाहनों की चेकिंग के दौरान एक गाड़ी को चेकिंग के लिए रोका। चेकिंग के दौरान गाड़ी से 10 कट्टे बरामद हुए। जिनमें बैटरियों से निकाली हुए प्लेट भरी हुई मिली। गाड़ी सवार 5 युवकों को काबू किया गया। युवकों की पहचान रोहतक के गांव काहनौर निवासी रवि, रोहतक के लाखनमाजरा निवासी गुरमीत, अजय उर्फ गोलू, रोहित, पवन उर्फ दीपक के रूप में हुई। आरोपियों के खिलाफ थाना शिवाजी कॉलोनी में चोरी का केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है।

पत्रकारों से बातचीत करते एएसपी वाईवीआर शशी शेखर व एवीटी प्रभारी अनेश कुमार और आरोपित पुलिस की गिरफ्त में।

चोरीशुदा सामान को कबाड़ी को भी बेच देते थे

स्टाफ प्रभारी अनेश कुमार के नेतृत्व में मामले की जांच एसआई बिजेंद्र द्वारा की गई। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि बरामद प्लेट शामडी (सोनीपत), कंडेला और पिंडारा (जीन्द) से चोरी की हुई है। आरोपियों ने रोहतक, झज्जर, भिवानी, हांसी (हिसार), जींद, बहादुरगढ़ (झज्जर) और पानीपत आदि जगहों पर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रखा है। आरोपी करीब 5-6 सालों से सरकारी स्कूलों में लगी ड्राई बैटरी, इंवर्टर, बैटरी, टैब, एलसीडी और डिजीटल बोर्ड चोरी करने की वारदातों को अंजाम देते थे। आरोपी चोरीशुदा सामान को आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को बेच देते थे। इसके अलावा आरोपी चोरीशुदा सामान को कबाड़ी को भी बेच देते थे।

बाइक बैटरी और सोलर की करते थे चोरी

वारदातों में आरोपियों ने इंवर्टर-बैटरी, एलईडी, बाइक, और सोलर प्लेट आदि चोरी की हुई है। आरोपी अजय के खिलाफ थाना लाखनमाजरा में एक और गुरमीत के खिलाफ 3 मामले दर्ज है। आरोपियों ने जिला रोहतक में 42 चोरी की वारदातों को अंजाम दे रखा है। इसके अलावा आरोपियों ने जींद में 9, चरखी दादरी में 1, भिवानी में 4, पानीपत में 4 और सोनीपत में 6 वारदातों को अंजाम दे रखा है।

20-25 दिन पहले गांव पिंडारा में की थी चोरी

आरोपियों ने करीब 10-15 दिन पहले कंडेला व शामडी से और करीब 20-25 दिन पहले गांव पिंडारा से चोरी की घटना को अंजाम दिया था। आरोपी चोरी की हुई बैटरियों को तोड़कर उनमें से प्लेट निकालकर बेचने के लिए जा रहे थे।

गांव मदीना, किशनगढ़, गरनावठी सहित अनेक गांवों में की थी चोरियां

1. फरवरी 2020 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव मदीना के सरकारी स्कूल से पंद्रह बैटरी चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया हुआ है।
2. जून 2020 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव किशनगढ़ के स्कूल में आंगनवाडी का ताला तोड़कर इंवर्टर व बैटरी चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था।
3. फरवरी 2021 को गुरमीत व रोहित ने गांव सिंघपुरा के सरकारी स्कूल से बैटरी, इंवर्टर चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था।
4. फरवरी 2020 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव मदीना के सरकारी स्कूल से पंद्रह बैटरी चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था।
5. मार्च 2021 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव गरनावठी के सरकारी स्कूल से इंवर्टर-बैटरी, एलसीडी व अन्य सामान चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था।
6. मार्च 2021 में गुरमीत व अजय उऱ्फ गोलू ने गांव धामड़ के सरकारी स्कूल से इंवर्टर-बैटरी, व अन्य सामान चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था।
7. मई 2021 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव चांदी के सरकारी स्कूल से इंवर्टर-बैटरी, व सिलेंडर चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था।
8. जुलाई 2021 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव खिड़वाली के सरकारी स्कूल से एलसीडी, बैटरी व अन्य सामान चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था।
9. मार्च 2021 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव भरान के सरकारी स्कूल से इंवर्टर-बैटरी, व अन्य सामान चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था।
10. अगस्त 2021 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव संपल के सरकारी स्कूल से इंवर्टर-बैटरी, व 15 ड्राई बैटरी चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था।
11. अगस्त 2021 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव बसाना के सरकारी स्कूल से इंवर्टर-बैटरी, व 15 ड्राई बैटरी चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया हुआ है।
12. अक्टूबर 2021 में गुरमीत व अजय उऱ्फ गोलू ने गांव ब्लंब के सरकारी स्कूल से इंवर्टर-बैटरी व एक बैटरी चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया हुआ है।
13. नवंबर 2021 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव बालंद के सरकारी स्कूल से 30 ड्राई बैटरी व अन्य सामान चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया हुआ है।
14. नवम्बर 2021 में गुरमीत व अजय उर्फ गोलू ने गांव बालंद के सरकारी स्कूल से 15 ड्राई बैटरी व डीवीआर चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया हुआ है।
16. नवम्बर 2021 में गुरमीत व अजय उऱ्फ गोलू ने गांव हुमायुपुर से आंगनवाडी से एक बैटरी चोरी की थी।
17. दिसम्बर 2021 में गुरमीत व अजय उऱ्फ गोलू ने गांव आंवल के सरकारी स्कूल से 15 ड्राई बैटरी चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं से किया नशे से दूर रहने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय महम के प्रांगण मे राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया है। समारोह में शहर के कई युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान युवक युवतियों को व्यायाम करवाया गया । बी के सुमन बहन ने युवाओं को आध्यात्मिक सशक्तिकरण के बारे में बताया। साथ ही युवाओं को नशे की लत से दूर रहने का आह्वान किया। बीके सुमन ने बताया कि चाहे वह ड्रग्स का नशा हो या फिर मोबाइल का नशा दोनों ही नुकसानदायक हैं। समारोह में युवाओं को नशा मुक्त होने की शपथ दिलाई गई। जेई पारस ने भी युवाओं को संबोधित किया। युवाओं के मन के शुभ संकल्प लिखवा कर वर्ल्ड मैप के ऊपर पिन अप करते हुए भारत को विश्व गुरु बनाने में सहयोगी बनने का संकल्प करवाया गया। सेवा केंद्र संचालिका बी के चेतना बहन ने राष्ट्रीय युवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला एवं युवाओं को चरित्र निर्माण की प्रेरणा दी और स्व अनुभूति के लिए मेडिटेशन करवाया। इस अवसर पर एग्रीकल्चर इंस्पेक्टर अतुल भाई ने भी मेडिटेशन के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने एक सिंपल एक्सरसाइज के माध्यम से एकाग्रता की टिप्स दी। कार्यक्रम के अंत में चार पांच युवाओं ने अपने-अपने जीवन के अनुभव शेयर किए। साथ ही मेडिटेशन को युवाओं के लिए बहुत आवश्यक बताया।

महम। राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर युवाओं को संबोधित करती ब्रह्मकुमारी बहनें।

लघु सचिवालय के आसपास नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

रोहतक। जिला प्रशासन द्वारा लघु सचिवालय के आसपास नो पार्किंग जॉन में वाहनों को खड़ा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में सोमवार को एसीयूटी अभिनव सिवाच ने ट्रैफिक पुलिस को साथ लेकर चालान काटने की कारवाई की। उन्होंने वाहन चालकों से पार्किंग जॉन में ही वाहनों को खड़ा करने की अपील की है। प्रतिदिन अनेक लोग वाहनों के माध्यम से लघु सचिवालय में किसी न किसी काम के लिए आते हैं। ये लोग वाहनों को इधर-उधर खड़ा कर देते हैं, जिससे अव्यवस्था होती है तथा अन्य वाहन चालकों को भारी दिक्कत होती है। इसी के चलते उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा के मार्गदर्शन में पुराने लघु सचिवालय के परिसर में ईवीएम वेयरहाउस के पास वाहन पार्किंग की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन द्वारा वाहन चालकों से पार्किंग स्थल पर ही वाहनों को खड़ा करने की अपील की गई है, लेकिन कुछ वाहन चालकों द्वारा अपने वाहनों पार्किंग स्थल की बजाय इधर-उधर खड़ा किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को असुविधा हो रही है।

जलवायु-परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए समाज को बदलना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जलवायु-परिवर्तन का संकट विश्वव्यापी है लेकिन इस से निपटने के लिए भारत को भी अहम भूमिका निभानी होगी। व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर हमें अपने रहन-सहन में बड़े परिवर्तन करने होंगे। यह कहना था स्थानीय सामाजिक संस्थाओं 'सप्तरंग' और 'डेमोक्रैटिक फ़ोरम' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'जलवायु-परिवर्तन और हम' के मुख्य वक्ता वरिष्ठ वैज्ञानिक डी.रघुनंदन का। 'सप्तरंग' के सचिव अविनाश सैनी ने बताया कि अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क तथा दिल्ली साइंस फ़ोरम से सम्बद्ध डी.रघुनंदन पिछले करीब 24 साल से इस विषय पर काम कर रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डेमोक्रैटिक फ़ोरम, रोहतक के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर (सेवासम्पन्न) सुरिंदर कुमार ने की। मुख्य वक्ता ने कहा कि जलवायु-परिवर्तन के विश्वव्यापी संकट का ही नतीजा है कि 2024 का साल विश्व इतिहास में 1850 के बाद का सब से गरम साल रहा। कार्यक्रम में वेद प्रकाश श्योराण, एसजेडएच नकवी तथा डॉ. संतोष मुद्गिल के अलावा शेर सिंह सांगवान, प्रो. जितेन्द्र प्रसाद, डॉ. रमणीक मोहन, कैप्टन विरेंद्र सिंह, कैप्टन शमशेर मलिक, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय से डॉ. प्रमोद कुमार, डेमोक्रैटिक फ़ोरम के सचिव डॉ. धर्मवीर भारद्वाज एवं प्रो. राजेंद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

रोहतक। प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान करते दीनबंधु चौ. छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, मुरथल के प्रो. मनोज दूहन व इमसॉर निदेशक प्रो. सत्यवान बरोदा व अन्य प्राध्यापक।

पांच दिवसीय पाठ्यक्रम संपन्न

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज में ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) के तहत- प्रबंधकीय दक्षता और उत्पादकता मापन: सिद्धांत और व्यवहार विषय पर आयोजित पांच दिवसीय ज्ञान पाठ्यक्रम संपन्न हो गया। इस कोर्स के आखिरी दिन दीनबंधु चौ. छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, मुरथल के प्रो. मनोज दूहन ने मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग बारे विशेष व्याख्यान दिया। प्रो. दुहन ने कहा कि कहा कि मशीन लर्निंग (एमएल) और डीप लर्निंग (डीएल) न्यूरल नेटवर्क के एकीकरण ने व्यावसायिक संचालन में क्रांति ला दी है, जिससे विभिन्न डोमेन में दक्षता बढ़ी है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे ये प्रौद्योगिकियां संगठनों को प्रक्रियाओं को स्वचालित करने, संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने और डेटा-संचालित निर्णय लेने में सक्षम बनाती हैं।

कार्यक्रम देशभर के लगभग 175 प्रमुख भू-आकृति वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों ने लिया भाग

भूगोल विभाग के आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आयोजित 36वां भारतीय भू-आकृति विज्ञान संस्थान (आईजीआई) राष्ट्रीय सम्मेलन सोमवार को संपन्न हो गया। भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. महताब सिंह ने बताया कि भू-आकृति विज्ञान, पर्यावरण और समाज विषय पर एफडीसी में आयोजित इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में नई दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, मेघालय, राजस्थान, गुजरात, हिमाचल प्रदेश आदि सहित देश भर के लगभग 175 प्रमुख भू-आकृति वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों ने भाग लिया, जिन्होंने जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाओं, पर्यावरणीय गिरावट और सतत विकास जैसी चुनौतियों का समाधान करते हुए हमारे पर्यावरण और समाज को आकार देने में भू-आकृति विज्ञान प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर गहन विचार मंथन किया गया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में 18 तकनीकी सत्र तथा 9 विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए, जिनमें प्रो. सुनील कुमार डे, प्रोफेसर ए.आर. सिद्दीकी, प्रो. नारायण चंद्र जाना, प्रो. देवी दत्त चौनियाल, प्रो. पद्मिनी पाणि, प्रो. प्रमोद कुमार एस. हिरे, प्रो. मिलाप चंद शर्मा, प्रो. सुनंदो बंद्योपाध्याय, और प्रो. अनर्गा धोर्डे सहित समेत दर्जनों भू-आकृति वैज्ञानिकों, जलवायु वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और नीति निर्माताओं ने शिरकत की।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते प्रो. सुनील कुमार डे और कार्यक्रम में मौजूद प्राध्यपाक , शोधार्थी व विद्यार्थी ।

सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया

भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. महताब सिंह ने सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं तथा आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस आयोजन की सफलता में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन से प्राप्त अंतर्दृष्टि अनुसंधान को आगे बढ़ाने तथा समाज के सामने आने वाली पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए व्यावहारिक रणनीति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।सम्मेलन में प्रतिभागियों द्वारा बहुमूल्य प्रतिक्रिया भी दी गई। सम्मेलन के सह-संयोजक प्रो. सचिंदर सिंह ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा सम्मेलन की आयोजन सचिव प्रो. रेणु आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रो. सुचेता यादव ने मंच का संचालन किया।